04/06/2016 Issue 054 ₹ 1

पं ग वा ड़ी मा सि क प त्रि का

तुबारि

www.pangi.in
पंगवाड़ी भाषा विकास वेबसाईट
पंगवाड़ी, हिन्दी त अंग्रेजी टाई भाषा अन्तर असी।

तुबारि संपादकीय टीम

♦अस इ उम्मिद करुं लगो से कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेह्णु इस कम अन्तर सहयोग कते।

♦इस तुबारि मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ूं जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦तुबारि यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦तुबारि पत्रिका कोई मेह्णु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोइ ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेह्ले सोब आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेह्णु हरालो असे। इ त खुलि बोक असी कि पेहली बार पांगवाड़ी लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ती त गलती बि भुन्ती। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेह्णु के मदद ना मिएल त तुबारि पत्रिका कदि बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे तुबारि संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार राखे ठेके भेएड़े हरिरामे दुकान अन्तर तुबारि ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सुझाव त अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगेई मेह्णु जे हात जोड़ कइ निवेदन कते कि, तुस बि कोई अच्छा अर्टिक्ल, पुराणी या नोवी कथा, कहावत, कविता, त नोवे घीत (पंगवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हेंन्न दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
- 9418431531
- 9418429574
- 9418329200
- 9418411199
- 9418904168
- 9418721336

तीखी पिपी

बबीता, ग्रां चौकी

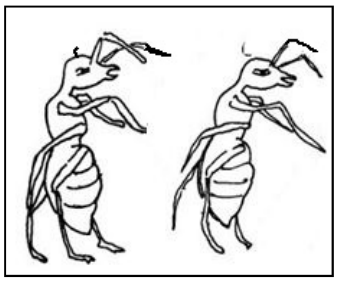

यक जंगल अन्तर दुई टींझि थी। से दुहे जुंटे थी। यक नउ चुनी त यक नउ मुनी थियु। चुनी शांत स्भावे थी मुनी ती उधमि त बोकियारी थी। मुनी कसे जोई मिल-जुल कइ ना बिशतीथ त लेहर बि तेस झठ एई घेन्तीथ। से केसे जे बि प्यार जोई ना बोतीथ। मुनी हमेशा सोभि जे ईं-ईं बोतीथ कि जंगले सोभि जीव तसे नउ तीखी पिपी रख छऊं। सोभि जंगले जीवी चुनी त मुनी जुंटे भेणी के नउ तेन्के स्भाव हेर कइ रखो थिए। मुनी जे सोब जेंई तीखी पिपी बोतेथ त चुनी जे मीठि मिसरि बोतेथ। दुहि अपु-अपु नउए पता थिया। पर मुनी तीखी पिपीए स्वादे पताई ना थिया।

यक रोज दुहे भेण दुकानदारे स्टोर अन्तर गई। तठि हछे-हछे त नीके-नीके सुआ टुकडू झड़ो थिए। सुआ टुकडू हेर कइ चुनी त मुनी तेन्हि बेढ़ण लगी। जिखेई चुनी यक टुकडू टाण लगी त तसे मुंह पुठ मुठू ईं भु त तेस तसे स्वाद अब्बल लगा। तोउं दुकानदार अपु नौखर जे बोलुण लगा, 'तु कपले बि कोई कम हेर कइ ना कता। तेईं अत सोब मिसरी टुकडु फटाई छओ असे। अब भीं झड़ कइ ए सोब बेकार भोई गे। अन्हि खरेई लाइ कइ यक कुणे कइ छड़। तउं जंगले जीव त टींझि एई कइ खाइ छती। दुकानदारे बोक शुण कइ नौखरे खरेई लाई कइ मिसरी टुकुड़ यक कुणे कइ छड़े। चुनी त मुनी जोई होरि सुआ टींझि ऐइ कइ मिसरि खाण लगी। तोउं चुनी त मुनी सेहली मिनि बोलु, चुनी तउ जे मिसरी तउं बोते किस कि तु सोभि जे परेम जोइ त मिसरि ईं मीठि बोक कती।' मिनि बोक शुण कइ मुनी बोलु, 'होर तीखी पिपी कीं भुन्ती? असी तसे स्वादे पता त चलियाल। सोभ जेंई मोउं जे तीखी पिपी बोते।' मठणी मुनी भओड़ि बोके शुण कइ मिनि हसते-हसते बोलुण लगी, 'मुनीए! तीखी पिपी अगर तोउ जोई छुई बि घिएल त तें बुरा हाल भोई घेन्ता। चल फिर बि तें तीखी पिपी हेरणे मन कियो असा त दुकान अन्तर घेन्ते। तठि कोठि ना कोठि तीखी पिपी बि रखो भोल।' मुनी तीखी पिपी हेरणे अतो चाह थि कि तेन धिक भइ बि सवर ना किया। चुनी तेस समझाण बि लगो थी पर मुनी कोठि कसेरी मनतीथ।

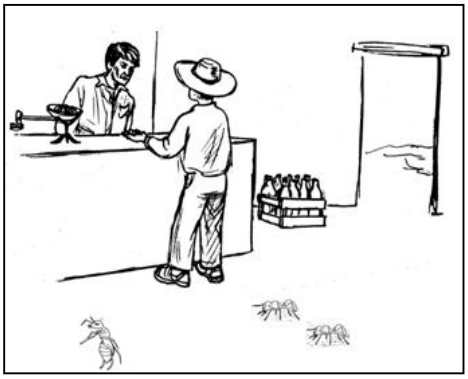

मुनी सधे दुकान अन्तर घुस गई। तसे पता-पता चुनी त मिनि बि दुकान अन्तर घेण अऊ। से टाहो जेंई अपेफ बुच बोक करण लगो थी कि अभेई दुकान पुठ कऊ पिपी खरीदणे जे बि नेई अओ। तउं से टाहो जेंई घेणेवाडी थी कि यक ग्राहक एई कइ तीखी पिपी मगण लगा। दुकानदारे अपु नौखर जे बोलु, 'असे धे स्टोर केआं यक पऊ तीखी पिपी दे।' नौखरे स्टोर खोला त मुनी झठ स्टोर अन्तर घेई गई। तोउं तसे पता -पता चुनी त मिनि बि गई। नौखर पिपी लफाफे अन्तर छण लगो थिया त यक दुई पिपीए शुंग भीं झड़ गई। पिपीए शुंग हेर कइ मुनी झठ तसे भेड़ पुज गई। पर इ कि शरीर पुठ धिक भइ पिपी लगणे बेलि मुनी बुरे हाल भोई गे। से तीं तड़फण लगी। चुनी त मिनि तसे हाल हेर कइ डर गई त झठ तेस बाहर घिन एई। बाहर तेन्हि तसे पुठे पुओणी फटओ।

तीखी पिपी

पर तेस हउ बि तीं पिपी लगो थी। से रोलते-रोलते बोलुण लगी, 'ओहो, तीखी पिपी त तीं कुस्तरी भुन्ती। तेन त में पूरे शरीर पुठ जी आग लाई छड़ी। कि अउं बि ईं असी ना? ना, ना अउं ना चाहांती कि सोब जेंई मोउं जे बि तीखी पिपी बोले'। अउं बि चुनि ईं मीठि मिसरी इ बणण चाहती। इढ़िया पता अउं कदि बि केसे जोई ना झगड़ींती ना केसे जे जवाब देन्ती त ना केसे जोई बतमीजी बोक कती। अब मोउं पता लग गा कि मिठास त परेम सोभि के जीवन अगर बढांता।' तसे बोक शुण कइ चुनी तसे मगरी पुठ हथ रख कइ बोलु, 'मुनीए तु ठीक बोलुण लगो असी फिर हे टींझि के स्वाभवे असा मठे कना जे रिझेईणे। अस टींझि आटि अन्तर हमेशा मीठि चीज हेरती त मठे कना जे घेन्ती त तीखी पिपी असी कदि बि रिझाई ना बटती। तोउं त असी अपु स्वभाव त कमे लिए मिठेईं बणुण चहिए।' मुनी बोलु, 'ऑ चुनी, इढ़िया पता अउं केसे शिकेत करणे मौका ना देन्ती होर ना केसे जे लेहरी-लेहरी कइ बोक कती।' तसे बोक शुण कइ चुनी त मिनि तसे मुंह पुठ हथ रख कइ बोलुण लगी, 'वाह...ईं भुई ना तीखी पिपीए.....ना ना मीठि मिसरी बाड़ी बोक।' तढ़िया पता टाहो जेंई हसण लगी त यकेकी हथ टइ कइ अपु गी जे घेई गई।

जिमदार त आधिबाड़े कथा

Anonymous

यक जिमदार थिआ। तेन यक सेउए बगिंचा ला त तसे चहरो कनाह् बाड़ दिता। तेन तथ पेहरा देण बाड़ी जे बिशुण जे जगाह बि बणाई। पता तेन से बगिंचा आधी पुठ केसे मेह्णु धे दिता त से दूर देश घेई बसा। जपल सेउ उणुणे टेम आ त तेन अपु यक नौखर लंघा कि अपु आधी घिन आई। जपल से नौखर तेन्हि आधीबाड़ी केईं पुजा त बोलु 'मालिके अपु आधी मागो असी।' त तेन्हि मेह्णु मी कइ से नौखर मड्डा त बगैर आधी वापिस लंघाई छड़ा। पता तेन जिमदारे होरे नौखर बी तठि लंघा पर तेन्हि मेह्णु कोउं माड्डे, कोउं कुटे त कोउं कोउं मार छड़े। जिमदार स्यापा भोई गा। से दूर थिआ त तस सुआ कम बि थिउ। त तेन सोचु 'चल अउं अपु कुआ लंघान्ता। से में कुआ हेर डरते त आधी दी छते।'

पर जपल तस जिमदार कुआ तेन्हि मेह्णु केईं पुजा त तेन्हि मेह्णु सोचु 'ए त मालिक भो। चले अस मारते त सोब जिम अपु नाओ कते।' त से सोब मी कइ तस जिमदारे कुआ बगिंचा केआं ढीइड़ कइ बाहर नेन्ते त तठि मार छते।

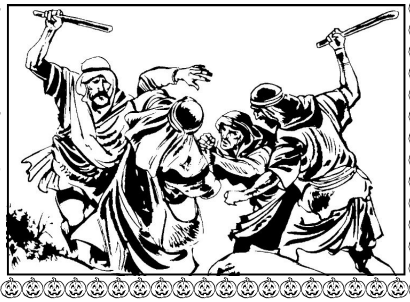

तोउं जपल से जिमदार इ खबर शुणता त से तेन्हि मेह्णु जोई की कता? से तेन्हि मेह्णु भयकंर सज्जा देन्ता त तेन्हि केआं से अपु बगिंचा नी कइ केसे होरे मेह्णु धे देन्ता जे सुसुर काम कते त ठीक टेम पुठ तस आधी देन्ते।

ई अपु कुआ जे .....

बबीता चौकी

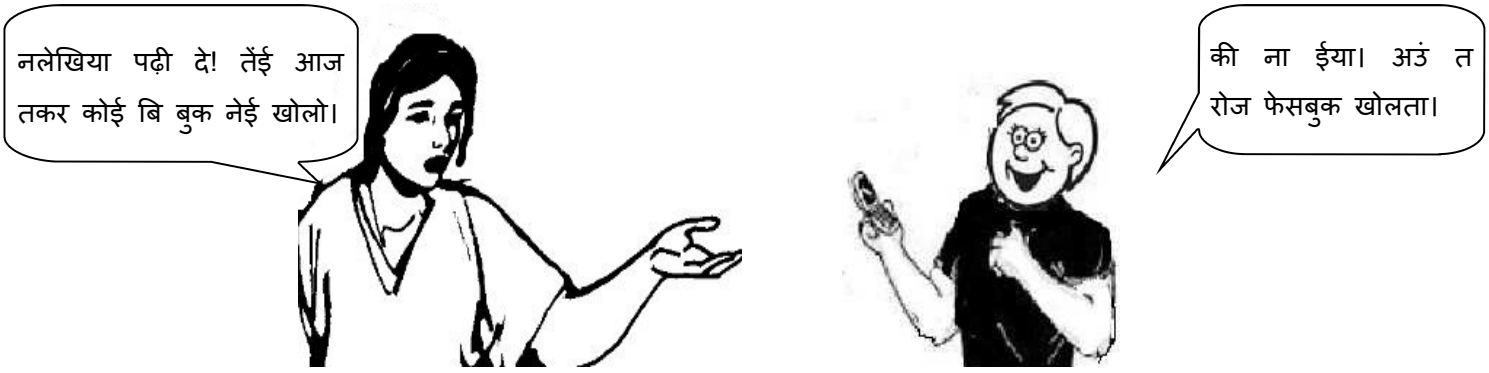

ADVERTISEMENT/ BEST WISHES FOR MARRIAGES, BIRTHDAYS, RETIREMENTS Etc. Please 9418429574

एडस बीमारी इन्सान जोई यक लिंगि सम्बन्ध बणाणे बोलि केसे बी एडस एई घेन्ता।... कॉंडोम सिर्फ 18% सुरक्षा कता

एडस मेह्णु के जिसम अन्तर कम से कम 7 केआं 10 साल तकर कोई लक्ष्ण नजर न एन्ते।